को राहत दी गई है, आर्थिक सहायता भी दी गई है । हमारे बेबी साहब कह रहे है कि वहां तो मजदूरों का इलाज भी नहीं कराया जा रहा है हास्पिटल में उनको घुसने नहीं दिया जा रहा । भारतीय जनता पार्टी की मध्य प्रदेश में सरकार है और ऐसी सरकार होगी कि मजदूरों को अस्पताल नहीं जाने देगी ? ...(**व्यवधान**)

श्री अजीत जोगी : महोदया, मैं स्पैशल मेंशन से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं ।

उपसभाध्यक्ष (श्रीमति सुषमा स्वराज) : जोगी जी का ऐसोसिऐशन इसमें नोट कर लीजिए ।

SHRI M.A. BABY : I would like the Home Minister to respond. Fifteen workers have been massacred by a State Government.

अजीत जोगी : बहुत ही बर्बर कांड हुआ है... (**व्यवधान**) दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा ... (**व्यवधान**)

[The Vice-Chairman (Shri Jagesh Desai) in the Chair]

SHRI M.A. BABY : I request the hon. Home Minister to respond.

SHRI S.B. CHAVAN : Mr. Vice-Chairman, I will collect the information from the State Government and make a statement on the floor of the House.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI) : I have to make an announcement. The Finance Minister will make a statement at 4 o'clock today on the irregularities and fraudulent transactions in banks and other financial institutions. A meeting of the leaders of all parties was called and it was discussed and then it was agreed that there would be no clarifications on this. Tomorrow there will be a Short Duration Discussion on this and it will be completed tomorrow. There will be no lunch-break tomorrow. Immediately after the Question Hour this discussion will start. Both the reports of the Janakiraman Committee are also available with the Distribution Section and Members can collect the copies of the reports.

SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN (Maharashtra) : Sir, I request that we should first complete the remaining special mentions.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI) : No, at 4 o'clock the Finance Minister is going to make a statement.

Apprehension of breach of peace due to construction of temple in Ayodhya

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं जो अभी अविलंबनीय लोक महत्व के प्रश्न को विशेष उल्लेख द्वारा सदन में उठा रहा हूं मैं समझाता हूं कि इस को देखकर पूरा देश भी चिन्तित है । आप जानते हैं कि अयोध्या में विवादित मंदिर का ढांचा और मसजिद का मामला पिछले दो तीन वर्षों से पूरे देश को मथता रहा है और पूरे देश के लिए चिन्ता का विषय रहा है । दोनों सदनों में बार बार यह प्रश्न उठता रहा है ।

उपसभाध्यक्ष जी, आज के अखबारों में जो समाचार देखने में आया है हर किसी को उससे भी लगता है कि यह मामला कब गंभीर रूप ले ले । मैं इसलिए इस बात को कह रहा हूं कि इसकी बुनियाद के पीछे इतनी बड़ी अशान्ति छिपी हुई है, एक सरकार की भी मंशा छिपी हुई है जिस के बारे में स्वाभाविक रूप से मुझे भी चिन्ता होती है और मैं जानता हूं कि सदन को भी इससे चिन्ता होगी ।

उपसभाध्यक्ष जी, जीर्णोदार समिति और पुनर्निर्माण समिति जो अयोध्या में अब मंदिर निर्माण का काम करने जा रही है उस ने घोषणा की है कि मंदिर निर्माण का काम किसी भी कीमत पर नहीं रुकेगा । इस का अर्थ क्या है ? इस का अर्थ यही है कि हम न किसी केन्द्र सरकार की परवाह करते हैं न किसी न्यायालय की परवाह करते हैं, नही हम जनमत की परवाह करते हैं, न देश की एकता की परवाह करते हैं । इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि एक और समतलीकरण और खुदाई का काम तीव्र गति से चल

[श्री शंकर दयाल सिंह]

रहा है, दूसरी ओर पुलिस कंट्रोल रूम जो वहां पर बना हुआ था उस को भी तोड़कर समतलीकरण कर दिया गया है। तीसरे संपूर्ण परिसर और विवादित ढांचे में से साक्षी गोपाल कंस मन्दिर बच गया है। इसको लेकर पूरे देश में चिन्ता व्याप्त है। विशेष तौर से मैं कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और भारतीय जनता पार्टी की सरकार का रुख अल्पसंख्यकों के प्रति क्या है, इसके बारे में मैं प्रकाश नहीं डालना चाहता। यह खुशी की बात है कि भारतीय जनता पार्टी ने श्री सिकंदर बख्त के रूप में नेता विरोधी दल को प्रस्तुत किया है लेकिन हाथी के दो दांत होते हैं एक खाने के और दूसरे दिखाने के। सिकंदर बख्त दिखाने वाले दाँत हैं लेकिन जो खाने वाले हाथी के दांत हैं वह इस रो के इस पार बैठे हुए हैं। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि आप बहुत विनम्रता के साथ इन बातों को समझते हुए आप केन्द्र सरकार से कहे कि उसके बारे में सदन में एक वक्तव्य तुरन्त दे। इसलिए मैं कह रहा हूं कि अल्पसंख्यकों के अंदर एक तरह का भय व्याप्त है, पूरे दश में अशान्ति का वातावरण है कि पता नहीं कल क्या हो जाए क्योंकि अखबारों में आ गया था कि 9 तारीख से निर्माण कार्य चल जाएगा। मैं भी एक धार्मिक व्यक्ति हूं मैं भी अध्यात्म में विश्वास रखता हूं। मैं भी भगवान में विश्वास करता हूं लेकिन मैं हिंसा के सहारे भगवान में विश्वास नहीं करता हूं। मैं अहिंसा का पुजारी हूं। मैं ईश्वर अल्ला में भेद नहीं रखता हूं। इसलिए मेरी आपके द्वारा सरकार से विनम्र विनती है कि सरकार इस संबंध में सदन में एक बयान दें जिससे सारे सदस्यों को जानकारी मिल सके कि अयोध्या में सही स्थिति क्या है।

दूसरे, इस संबंध में एक श्वेतपत्र जारी किया जाए क्योंकि इतनी बातें हो गई हैं तो उसका सही रिकार्ड सदस्यों के सामने आना चाहिए, अखबारों की रिपोर्ट हमारे सामने आ रही है, इसके साथ ही तीसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि इस को लेकर देश में जो, सांप्रदायिकता का वातावरण तैयार हो रहा है अशान्ति और भय का जो वातावरण व्याप्त हो गया है इसके लिए जरुरी है कि अगर कोई दूसरा आदमी न मिले तो सिकंदर बख्त जी जो विरोधी दल के नेता बने हैं, उन्हीं का मैं नाम ले रहा हूं। 4.00 P.M.

उनको ही भेज कर दिखलाइये कि इस तरह का काम करना कहां तक उचित होगा जिससे देश में अशाति का वातावरण पैदा हो जाए। इन शब्दों के साथ मैं जोरदार ढंग से यह कहना चाहता हूं कि इसे केन्द्रीय सरकार गम्भीरता से ले नहीं तो मैं यह मानूंगा कि केन्द्रीय सरकार अपनी डयूटी में असफल रही है। इसलिए मैं गृह मंत्री जी से कहूंगा कि वह कल या परसों इस संबंध में अपना बयान बयान दें।

गृह मंत्री (श्री एस० बी० चव्हाण) : मैं आज ही इस पर स्टेटमेंट दे रहा हूं।

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : मैं इससे अपने को सम्बद्ध करता हूं।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI) : I have to make an announcement. The Home Minister will make a statement at 5 PM today regarding the latest situation on the Ram Janambhoomi-Babri Masjid issue .... (*Interruptions*) ....

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh) : But let me associate myself. The problem is whether after he makes the statement at 5 PM we would be allowed to seek clarifications.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI) : Yes. Positively, yes, ... (*Interruptions*) ....

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh) : Sir, I also would like to associate because for a change a Janata Dal Member has spoken some sense .... (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI) : Now the Finance Minister has to make the statement.

STATEMENT BY MINISTER

Irregularities and fraudulent transactions in Banks and other Financial Institutions

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI MANMOHAN SINGH) : Sir, in the last session I had informed the House of certain irregularities detected in the securities transactions of banks and I had assured the House that the matter would be thoroughly investigated and firm action would be taken against all individuals found to have indulged in malpractices. I would like to apprise the House of developments that have taken place since then.

The Reserve Bank of India had appointed a Committee under Deputy Governor Shri R. Janakiraman to inquire into the matter. The Committee submitted an Interim Report on 1st June 1992 and a second report on 6th July. Both reports were made public as soon as they were received.

The findings of the Committee confirm that unscrpulous brokers, in collusion with certain bank officials, have manipulated securities transactions of banks and other financial institutions for their own purposes in a variety of ways and in clear violation of the established rules, guidelines and prudent business practices. Banks' funds otensibly intended for purchase by one bank from another bank of Government securities, PSU bonds, Units etc., and call money loans of one bank from another bank have been siphoned into the accounts of brokers. In another kind of manipulation, credit has been extended to the brokers through transactions engineered to represent discounting of bills, rediscounting of bills or ready forward deals in shares.

The total amount of transactions for which the banks and financial institutions involved do not have security backing is now estimated at about Rs. 3,542 crores. Against this the Janakiraman Committee has identified securities worth Rs. 350 crores held by one of the banks so that the net problem exposure is estimated at Rs. 3,192 crores. The bankwise break up of this amount is indicated in the attached statement.

The transactions resulting in this large level of problem exposure have been in flagrant and deliberate violation of established rules and guidelines. It is also clear that there has been a serious failure of internal control systems i nthe banks involved. But for this, the senior management of the banks should have become aware of these irregular transactions at much earlier stages. This internal control failure seems to have occurred in all three segments of our banking sector : nationalised banks, private sector banks and also foreign banks.

I share the anger and anguish of Honourable Members at these developments, which reveal serious deficiencies in the operation of our banking system. The fraudulent manipulations which have resulted in large scale misappropriation of bank funds require prompt corrective and penal action. I would like to assure Hon'ble Members that the Government is according top priority to recovering the amounts, punishing the guilty and restoring confidence in the basic integrity of the financial system.

I would like to take this opportunity to apprise Honourable Members of some of the steps which have been taken thus far to deal with the problem :

(i) Even before the submission of the RBI report, Government had referred the case to the CBI. CBI has been investigating and has registered 5 FIRs. Since 4th June, 1992, 135 places have been searched and twenty five individuals have been arrested, including seven officials of banks and financial institutions. Fifteen individuals have since been released on bail.

(ii) Administrative action has been taken on the basis of preliminary investigation against officials directly or indirectly involved or felt to be responsible. Chairman NHB had resigned, Chairman UCO Bank and Chairman SBI were asked to go on